A–345

Total Pages : 4 **Roll No. .....**

BASL–302

वेद एवं उपनिषद

Bachelor of Arts (BA)

3rd Year Examination, 2024 (June)

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट : – यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) 2×19=38

नोट : – खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. निम्नलिखित मन्त्रों में से किसी **तीन** मन्त्रों का हिन्दी में भावार्थ लिखिए :

(क) अग्ने यं यज्ञमध्वरं, विश्वतः परिभूरसि।

स इद् देवेषु गच्छति॥

(ख) विष्णोर्नु कं वीर्याणि प्रवोचं

य: पार्थिवानि विममे रजांसि।

यो अस्करभयादुत्तर सधस्थं

विचक्रमाणसत्रेधीरुगाय:॥

(ग) येन कर्माण्यपसो मनीषिणो

यज्ञे कृण्वन्ति विदथेषु धीरा:।

यदपूर्वं यक्षमन्त: प्रजानां

तन्मे मन: शिवसंकल्पमस्तु॥

(घ) प्र विष्णवे शूषमेतु मन्न गिरिक्षते उरुगायाय विष्णे।

य इदं दीर्घ प्रयतं सधस्तमेको विममे त्रिभिरित्पदेभि:॥

(ङ) अन्ये जायां परीमृशन्त्यस्य

यस्याग्रधद्वेदने वाज्यक्ष:।

पिता माता भ्रातर एनमाहु:

न जानीमो नयता बद्धमेतम्।

2. निम्नलिखित मन्त्रों में से किन्हीं **दो** मन्त्रों का हिन्दी में भावार्थ लिखिए :

(क) अनुपश्य यथा पूर्वे प्रतिपश्य तथापरे।

सस्यमिव मर्त्य: पच्यते सस्यमिवाजायते पुन:॥

(ख) यस्मिन्निदं विचिकित्सन्ति मृत्यो

यत्साम्पराय महति ब्रूहि नस्तत्॥

योऽयं वरो गूढंमनुप्रविष्टो

नान्यं तस्मान्नचिकेता वृणीते॥

(ग) अविद्यायामन्तरे वर्तमानाः

स्वयं धीराः पण्डितंमन्यमानाः।

दन्द्रम्यमाणाः परियन्ति मूढाः

अन्धेनैव नीयमाना यथान्धाः॥

(घ) अशब्दमस्पर्शमरूपमव्ययं

तथारसं नित्यमगन्धवच्च यत्।

अनाद्यनन्तं महतः परं ध्रुवं

निचाय्य तन्मृत्युमुखात्प्रमुच्यते॥

3. आरण्यक साहित्य का सामान्य परिचय देते हुए वर्तमान समाज एवं शिक्षा में महत्व को निरूपित कीजिए।

अथवा

चारों वेदों का परिचय देते हुए उनके महत्व को प्रतिपादित कीजिए।

4. वैदिक देवाताओं के स्वरूप एवं महत्त्व की विवेचना कीजिये।

अथवा

सायण भाष्य की विस्तृत विवेचना करते हुए उसके महत्त्व को प्रतिपादित कीजिये।

5. उपनिषदकालीन सामाजिक व्यवस्था एवं शिक्षा व्यवस्था का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिये।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न) 4×8=32

नोट : – खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. देवता के रूप में विष्णु का मूल्यांकन कीजिये।
2. शिवसंकल्प सूक्त का संक्षिप्न सारांश लिखिए।
3. कठोपनिषद की संक्षिप्त कथा को लिखिए।
4. षडवेदांगों का संक्षिप्त परिचय लिखिए।
5. भाष्यकार उव्वट की भाष्य शैली पर प्रकाश डालें।
6. तैत्तरीय उपनिषद के प्रमुख प्रतिपाद्य विषय को संक्षिप्त में समझाइए।
7. वेदांगों में कल्प के स्वरूप एवं विभाग लिखिए।
8. वेदांगों में शिक्षा के स्वरूप एवं भेद लिखिए।

****